

● सुनो, समझो और पढ़ो :

४. सोना और लोहा

- रामेश्वरदयाल दुबे

जन्म : २१ जून १९०८ उ. प्र. **मृत्यु :** २४ जनवरी २०११ रचनाएँ : ‘अभिलाषा’, ‘चलो-चले’, ‘डाल-डाल के पंछी’, ‘माँ यह कौन’, ‘फूल और कॉटा’ आदि। **परिचय :** आप प्रसिद्ध बाल साहित्यकार हैं।

प्रस्तुत संवाद में रूप-रंग की अपेक्षा सदगुणों के महत्व पर जोर दिया गया है।



अध्ययन कौशल



विभिन्न धातुओं के नाम और उनसे बनने वाली वस्तुएँ लिखो।



- सोना** : मैं स्वर्ण, मैं सोना, मेरी भी क्या शान है ! जिसे देखो, मुझे चाहता है ; मेरे गुण ही ऐसे हैं ।
- लोहा** : नमस्ते ! क्या कह रहे थे – मेरा रूप ही ऐसा है, मेरे गुण ही ऐसे हैं ?
- सोना** : मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ ? मेरा चमकता पीला रंग देख ! संसार में मैं सबसे सुंदर हूँ ।
- लोहा** : सोने, पहले यह तो बता कि तू तिजोरी से बाहर क्यों आया ? लाख बार कहा कि तेरा बाहर आना खतरे से खाली नहीं, मगर तू मानता ही नहीं । तेरी रक्षा का भार मुझपर है।
- सोना** : राजा की रक्षा उसके नौकर-चाकर करते ही हैं ।
- लोहा** : अच्छा, तू राजा और मैं नौकर ? मेरे एक चाँट से तेरा रूप बदल जाएगा । चल भीतर ।
- सोना** : भले ही तुम मुझसे बड़े हो, मगर मुझे डाँटने का तुम्हें कोई अधिकार नहीं । मेरे दस ग्राम का मूल्य पच्चीस हजार तो तुम पच्चीस-तीस रुपयों में किलो के हो ।
- लोहा** : रुपयों में किसी वस्तु का मूल्य लगाना व्यर्थ है । देखना यह चाहिए कि कौन कितना उपयोगी है । सोने से पेट नहीं भरता । मैं सबका हाथ बँटाता हूँ ।
- सोना** : अरे, लोहे से कैसे पेट भरता है ?
- लोहा** : मैं अगर न रहूँ, तो किससे बनेगा फावड़ा, कुदाल, खुरपी ? मकान बनाना हो, तो लोहा चाहिए । युद्ध में लोहे के ही अस्त्र-शस्त्र काम देते हैं । कोई बड़ा काम करना हो, लोहे के बिना हो ही नहीं सकता । रोटियाँ भी लोहे के तवे पर ही सेंकी जाती हैं । सभी कुछ लोहे से बनता है ।
- सोना** : अँगूठी, माला, बाली लोहे से नहीं बनते । उसके लिए मेरी ही तलाश होती है । मैं राजा-महाराजाओं, धनिकों का प्यारा हूँ । मैं ऊँची जगह रहता हूँ, नीचे नहीं उतरता ।

□ संवाद का आदर्श वाचन करें । मुखर वाचन करवाएँ । मित्र के कौन-से गुण आपको अच्छे लगते हैं पूछें । खेल भावना के अनुसार अच्छे गुण स्वीकार करने और दोषों को दूर करने के लिए कहें । संवाद में आए कारकों का वाक्य प्रयोग कराएँ ।



विचार मंथन

॥ आराम हराम है ॥

- लोहा** : तू राजाओं-धनिकों का प्यारा है, मैं किसानों-मजदूरों का प्यारा हूँ। गरीबों की सेवा करने में मुझे सुख मिलता है। राजाओं के दिन लद गए अब तो श्रमिकों के दिन हैं।
- सोना** : मुझसे तो मेहनत नहीं होती। मैं तो आराम से रहता आया हूँ और रहना चाहूँगा।
- लोहा** : आराम हराम है। श्रम में ही जीवन की सफलता है, तुमने देखा है, मैं कितना काम करता हूँ। मैं कल-कारखानों में दिन-रात काम करता हूँ। जो काम करेंगे, उन्हीं का सम्मान होगा।
- सोना** : तो मेरा अब क्या होगा, दादा, मुझे घबराहट हो रही है।
- लोहा** : तू डाल-डाल मैं पात-पात, डर मत सोने ! मैं सदा तेरी रक्षा करता आया हूँ, आगे भी करूँगा, मगर अब तू घमंड करना छोड़ दे।
- सोना** : छोड़ दूँगा भैया, मगर मेरी रक्षा करना।
- लोहा** : अच्छा, अच्छा ! तू मेरा छोटा भाई है न। चल भीतर चल, बिना पूछे बाहर मत आना।



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

शान = ठाट-बाट

धनिक = धनवान

मूल्य = महत्त्व, कीमत

श्रमिक = मजदूर

तलाश = खोज

मुहावरा

दिन लद जाना = बीती बात होना

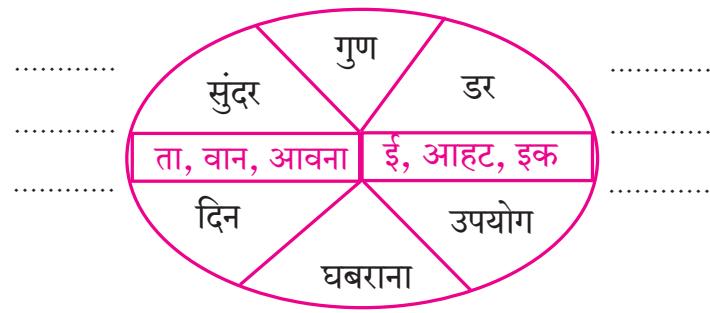
कहावत

तू डाल-डाल, मैं पात-पात = तुम निपुण हो परंतु मैं तुमसे अधिक निपुण हूँ।



भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर लिखो।





सुनो तो जरा

बस / रेल स्थानक की सूचनाएँ ध्यानपूर्वक सुनकर सुनाओ ।



बताओ तो सही

थर्मामीटर में किस धातु का प्रयोग होता है, बताओ ।



वाचन जगत से

दुकानों के नाम फलक पढ़ो और उनका अभिनव करो ।



मेरी कलम से

अंकुरित अनाजों की सूची बनाओ और उपयोग लिखो ।



सदैव ध्यान में रखो

प्रत्येक का अपना-अपना महत्व होता है ।



जरा सोचो चर्चा करो

यदि खनिज तेल का खजाना समाप्त हो जाए तो...

* सही या गलत बताओ ।

१. युद्ध में लोहे के ही अस्त्र-शस्त्र काम देते हैं ।

२. रोटियाँ भी सोने के तवे पर सेंकी जाती हैं ।

३. श्रम में ही जीवन की सफलता है ।

४. जो काम करेंगे, उन्हीं का अब सम्मान नहीं होगा ।



खोजबीन

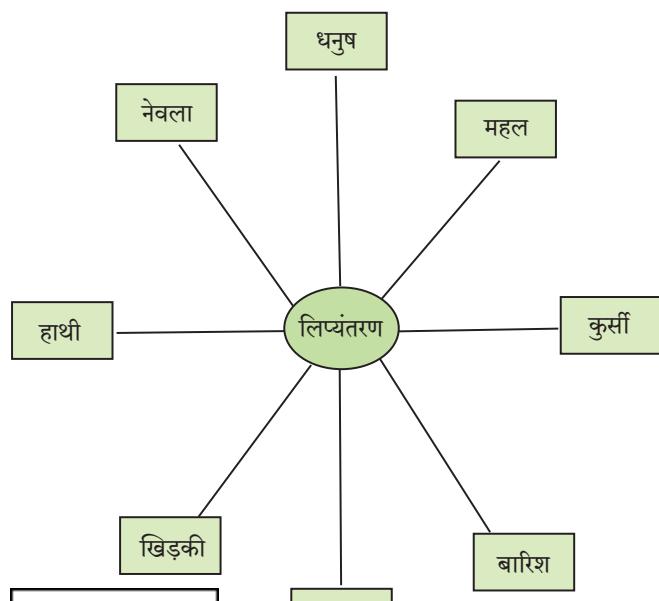
रुपयों (नोट) पर लिखी कीमत कितनी और किन भाषाओं में अंकित है, बताओ ।



स्वयं अध्ययन

सदृशों को आत्मसात करने के लिए क्या करोगे, इसपर आपस में चर्चा करो ।

* निम्नलिखित शब्दों का रोमन लिपि में लिप्यंतरण करो । * निम्नलिखित कारकों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।



- | | |
|------------|-------|
| ने | ----- |
| को | ----- |
| से | ----- |
| को | ----- |
| से | ----- |
| का, की, के | ----- |
| में, पर | ----- |
| अरे! | ----- |